राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 10 दिसम्बर • 2022

ए कृषि एवं प्रौद्योगिकी
के अधीन संचालित
पुर कृषि विज्ञान केन्द्र पर
सीय कार्यक्रम आयोजित
कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं
आधारित प्राकृतिक खेती
ए प्रशिक्षित किया गया।
अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र सिंह ने
की उर्वरा शक्ति के महत्व
में वताया। नोडल अधिकारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने देसी गाय के मूत्र व गोवर से वनाई
ाली कीटनाशक दवाओं (नीमस्त्र, दशपर्णी अर्क, आग्नेयास्त्र, ब्रह्मास्त्र व खाद जीवामृत
एवं घन जीवामृत) वनाने, उनके प्रयोग, विधि तथा लागत के संवंध में व्याख्यान दिया व प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिया। वैज्ञानिक डॉ. सुभाष चन्द्र व डॉ. ओंकार सिंह यादव ने देसी गाय के रखरखाव प्रवंधन पर चर्चा की। गृह वैज्ञानिक डॉ. आशा यादव ने देसी गाय के दूध द्वारा निर्मित उत्पादों के वारे में वताया। प्रशिक्षणार्थी कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं को केन्द्र द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए गोद लिये गये गांव सांथी-खनीपुरा का भ्रमण भी कराया गया। यहां प्राकृतिक तरीके से की जा रही खेती का अवलोकन कराया गया।

सीएसए कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी कृषक प्रसार कार्यकर्ताओं को गौ-आधारित खेती का प्रशिक्षण देते हुए।

सहारा
क्लासीफाइड विज्ञापन
सूचना

पति नादिरशेर खान पुत्र
दयार खान 08/03/2007 को
गुस्सा होकर कहीं चले गये थे
वह लापता हैं। लगभग 15 वर्षों

कानपुरः दो दिवसीय गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर कृषकों को दिया गया प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर दो दिवसीय गौ आधारित प्राकृतिक खेती का कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र के अध्यक्ष डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने भूमि की उर्वरा शक्ति के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्राकृतिक खेती के नोडल अधिकारी डॉ आशीष श्रीवास्तव ने देसी गाय के मूत्र तथा गोबर से बनाई जाने वाली कीटनाशक दवाओं (नीमस्त्र,दशपर्णी अर्क, आग्नेयास्त्र, ब्रह्मास्त्र तथा खाद जीवामृत एवं घन जीवामृत) बनाने उनके प्रयोग, विधि तथा लागत के संबंध में व्याख्यान दिया। तथा प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डा. सुभाष चंद्र तथा डा.ओंकार सिंह यादव ने देसी गाय के रखरखाव प्रबंधन पर चर्चा की। गृह वैज्ञानिक डॉ आशा यादव द्वारा देसी गाय के दूध द्वारा निर्मित उत्पादों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों को केंद्र द्वारा प्राकृतिक खेती हेतु गोद लिए गए गांव से सांथी,बनीपुरा, का भ्रमण कराया गया तथा प्राकृतिक खेती आलू ,बैंगन, सरसौं, गेहू आदि का भी कृषकों को अवलोकन कराया गया। इस अवसर पर राजपाल, सचिन सिंह,सोबरन, भूपेंद्र आदि उपस्थित रहे।

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....
10/12/2022
WWW.nagarchhaya.com

दो दिवसीय गौ-आधारित प्राकृतिक खेती पर कृषकों को दिया गया प्रशिक्षण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर दो दिवसीय गौ आधारित प्राकृतिक खेती का कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र के अध्यक्ष डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने भूमि की उर्वरा शक्ति के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्राकृतिक खेती के नोडल अधिकारी डॉ आशीष श्रीवास्तव ने देसी गाय के मूत्र तथा गोबर से बनाई जाने वाली कीटनाशक दवाओं (नीमस्त्र,दशपर्णी अर्क, आग्नेयास्त्र, ब्रह्मास्त्र तथा खाद जीवामृत एवं घन जीवामृत) बनाने उनके प्रयोग, विधि तथा लागत के संबंध में व्याख्यान दिया। तथा प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ सुभाष चंद्र तथा डॉ ओंकार सिंह यादव ने देसी गाय के रखरखाव प्रबंधन पर चर्चा की। गृह वैज्ञानिक डॉ आशा यादव द्वारा देसी गाय के दूध द्वारा निर्मित उत्पादों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों को केंद्र द्वारा प्राकृतिक खेती हेतु गोद लिए गए गांव से सांथी,बनीपूरा, का भ्रमण कराया गया तथा प्राकृतिक खेती आलू ,बैंगन, सरसौं, गेहू आदि का भी कृषकों को अवलोकन कराया गया।इस अवसर पर राजपाल, सचिन सिंह,सोबरन, भूपेंद्र आदि उपस्थित रहे।

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती पर कृषकों को दिया प्रशिक्षण

कानपुर, 9 दिसम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर दो दिवसीय गौ आधारित प्राकृतिक खेती का कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र के अध्यक्ष डॉ जितेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने भूमि की उर्वरा शक्ति के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्राकृतिक खेती के नोडल अधिकारी डॉ आशीष श्रीवास्तव ने देसी गाय के मूत्र तथा गोबर से बनाई जाने वाली कीटनाशक दवाओं (नीमस्त्र,दशपर्णी अर्क, आग्नेयास्त्र, ब्रह्मास्त्र तथा खाद जीवामृत एवं घन जीवामृत) बनाने उनके प्रयोग, विधि तथा लागत के संबंध में व्याख्यान दिया तथा प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ सुभाष चंद्र तथा डॉ ओंकार सिंह यादव ने देसी गाय के रखरखाव प्रबंधन पर चर्चा की। गृह वैज्ञानिक डॉ आशा यादव ने देसी गाय के दूध द्वारा निर्मित उत्पादों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों को केंद्र द्वारा प्राकृतिक खेती हेतु गोद लिए गए गांव से सांथी,बनीपूरा, का भ्रमण कराया गया तथा प्राकृतिक खेती आलू ,बैंगन, सरसौं, गेहू आदि का भी कृषकों को अवलोकन कराया गया। इस अवसर पर राजपाल, सचिन सिंह, सोबरन कुमार, भूपेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

1 of 1